भाजपा निकाय चुनाव के जनादेश को जमीनी सक्रियता से जोड़कर देखती है

अपेक्षाकृत मामूली अंतर के बावजूद वॉर्डों की जीत संगठन की सक्रियता को दर्शाती है

जयपुर, 21 सितंबर। राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव के परिणामों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के लिए शहरी राजनीति में एक महत्वपूर्ण तस्वीर सामने रखी है। भाजपा ने वॉर्ड चुनाव में कांग्रेस से अधिक सीटें हासिल कीं और इसके बाद निकाय प्रमुखों के चुनाव में भी बड़ी संख्या में बोर्ड अपने पक्ष में करने में सफल रही। पार्टी अब इस पूरे जनादेश को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार की नीतियों, विकास के एजेंडे और संगठन की जमीनी सक्रियता से जोड़कर देख रही है। मुख्यमंत्री ने भी चुनाव परिणामों को जनता के भरोसे और भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम बताया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- भाजपा के लिये ये चुनाव इसलिये महत्वपूर्ण हैं कि विधानसभा चुनाव के बाद पहली बार इतने बड़े स्तर पर शहरी मतदाताओं के बीच सरकार के कार्यकाल की राजनीतिक परीक्षा हुई है।

भाजपा के लिए यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि विधानसभा चुनाव के बाद पहली बार इतने बड़े स्तर पर शहरी मतदाताओं के बीच सरकार के कार्यकाल को लेकर राजनीतिक परीक्षा हुई।

निकाय चुनाव के बाद भाजपा का राजनीतिक संदेश साफ तौर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व के इर्द-गिर्द दिखाई दे रहा है। पार्टी का कहना है कि विधानसभा में राज्य की जिम्मेदारी सौंपने के बाद, अब शहरी निकायों में भी जनता ने विकास की उसी दिशा को आगे बढ़ ाने के लिए भाजपा को समर्थन दिया है।

निकाय चुनाव में भाजपा ने 4,171 वॉर्ड जीते, जबकि कांग्रेस के खाते में 3,597 वॉर्ड आए। वोट शेयर में दोनों दलों के बीच अंतर एक प्रतिशत से भी कम रहा, लेकिन वॉर्डों की संख्या में भाजपा को स्पष्ट बढ़ त मिली। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भाजपा का वोट शेयर 35.18 प्रतिशत और कांग्रेस का 34.24 प्रतिशत रहा।

यही वह आंकड़ा है, जिसे भाजपा अपने संगठन और चुनावी प्रबंधन की सफलता के रूप में सामने रख रही है। पार्टी का तर्क है कि अपेक्षाकृत मामूली वोट अंतर को अधिक वॉर्डों की जीत में बदलना बूथ स्तर तक संगठन की सक्रियता और उम्मीदवारों के पक्ष में वोटों के प्रभावी वितरण को दर्शाता है।

अब मुख्यमंत्री के सामने चुनौती इस राजनीतिक बढ़ त को शहरों में दिखाई देने वाले विकास कार्यों और बेहतर नागरिक सुविधाओं में बदलने की है।

दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पद के लिए चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी।

कांग्रेस नेताओं ने बहुत बड़ी गड़बड़ी कर दी और उस बढ़त को गंवा दिया, जो राहुल गांधी को मोदी और उनकी सरकार के खिलाफ जंतर-मंतर पर हुए जैन ज़ी के धरने के बाद हासिल हुई थी।

कांग्रेस को उम्मीद थी कि वह दिल्ली युनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन चुनाव जीत जाएगी, और वहीं एबीवीपी भी इस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त थी कि इस चुनाव में उसके जीतने की कोई उम्मीद नहीं है।

लेकिन कांग्रेस नेताओं ने अपनी पसंद-नापसंद और मनमर्जी के हिसाब से फैसले किए।

ए आई सी सी के गलियारों में इस बात की खूब चर्चा है कि इस बार, अतीत के विपरीत, कड़ी कार्रवाई की बात हो रही है, क्योंकि राहुल की छवि को सीधे तौर पर नुकसान पहुंचा है और मोदी बनाम जैन ज़ी पर उनका पूरा अभियान कमजोर पड़ गया है।

एसआईआर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने दावा किया कि भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केन्द्रीय विदेश मंत्री, दिल्ली के उपराज्यपाल, राज्यसभा सांसदों तथा अन्य प्रमुख व्यक्तियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित एक वैज्ञानिक और पूर्व नौसेना प्रमुख को भी पहले नोटिस दिया जा चुका है।

हत्या की आरोपी सिया ने प्रेमी से खाटूश्याम जी में गुप्त विवाह किया था?

सिया पर, होने वाले पति केतन को लोहागढ़ किले से गिरा कर मारने का आरोप है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- पुलिस सूत्रों के अनुसार सिया गोयल व उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने दिसम्बर 2025 में विख्यात खाटूश्याम जी मंदिर में गुप्त रुप से विवाह किया था। पुलिस की विशेष टीम कथित विवाह की पुष्टि व सबूत जुटाने में लगी हुई है।

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच में मुख्य आरोपी सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी के संभावित गुप्त विवाह का खुलासा हुआ है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, जांचकर्ता इस बात की पड़ताल कर रहे हैं कि क्या सिया और चेतन ने दिसंबर 2025 में राजस्थान के विख्यात खाटू श्याम मंदिर में गुप्त रूप से विवाह किया था।

दोनों आरोपियों के बीच मोबाइल फोन पर हुई चैट का विश्लेषण करने के बाद पुलिस को गुप्त विवाह का संदेह हुआ। पुणे ग्रामीण पुलिस की एक विशेष टीम कथित विवाह की पुष्टि करने और सबूत जुटाने के लिए जुलाई में राजस्थान गई थी।

हालांकि, जांचकर्ताओं को अब तक मंदिर में विवाह समारोह होने की पुष्टि करने वाला कोई आधिकारिक पंजीकरण रिकॉर्ड या सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला है।

जांच के दौरान, पुलिस ने कथित तौर पर एक मोबाइल फोन से एक तस्वीर बरामद की, जिसमें सिया गोयल और चेतन चौधरी फूल माला पहने नज़र आ रहे हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस तस्वीर को आरोप पत्र के साथ साक्ष्य के रूप में पेश किया गया है।

जांचकर्ता सिया और चेतन के बीच संबंधों की प्रकृति तथा यह पता लगाने के लिए डिजिटल साक्ष्यों और तस्वीर की जांच कर रहे हैं कि क्या केतन अग्रवाल के साथ सिया की निर्धारित शादी से पहले दोनों ने विवाह कर लिया था। कथित गुप्त विवाह इस मामले में जांच की एक प्रमुख कड़ी बना हुआ है। पुलिस तस्वीर और दोनों के राजस्थान जाने से जुड़े घटनाक्रम की परिस्थितियों की लगातार पुष्टि कर रही है।

पुलिस को अभी तक खाटू श्याम मंदिर में कथित विवाह की पुष्टि करने वाला कोई स्वतंत्र दस्तावेज या सीसीटीवी साक्ष्य नहीं मिला है।

18 जून को लोहागढ़ किले से धक्का दिए जाने के बाद केतन अग्रवाल की मौत हो गई थी। इसके बाद उनकी मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया था।

मोढेरा सूर्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

1000 वर्ष की ऐतिहासिक यात्रा की स्मृति को समर्पित होगा। इस निर्णय को गुजरात की सांस्कृतिक विरासत और मेहसाणा जिले के मोढ ेरा की ऐतिहासिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर महत्व देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एनएसयूआई की हार पर एक सप्ताह में रिपोर्ट मांगी राहुल ने

राहुल हैरान हैं कि ''छात्रों की गूंज'' कार्यक्रम की भारी सफलता के बाद भी दिल्ली छात्र संघ चुनाव में कांग्रेस के छात्र संगठन की इतनी बुरी हार क्यों हुई

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- अभी कुछ अर्सा पहले ही जिस तरह से राहुल ने पुणे में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में छात्रों व लड़कियों के मुद्दे उठाए और पितृ सत्तात्मक समाज की व्यवस्था पर हमला बोला था, उसने उन्हें जैन ज़ी का बेहद प्रिय बना दिया था।
- राहुल हैरान हैं कि आखिर गलती कहां हुई, जो एनएसयूआई की शर्मनाक हार हुई।

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। अगस्त को पुणे के एआईएसएसएमएस कॉलेज मैदान में राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' के चौथे संस्करण में कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी छात्र संपर्क अभियान के लिए हजारों युवा महिलाएं जुटी थीं।

असामान्य रूप से नियोन पीली रंग की लिनेन शर्ट पहने राहुल ने केवल महिलाओं के लिए आयोजित इस सभा को पितृसत्ता के खिलाफ जोरदार हमले में बदल दिया। उन्होंने मनुस्मृति का हवाला दिया, महिला प्रदर्शनकारियों द्वारा अपशब्दों के इस्तेमाल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ''सांस्कृतिक हैरानी'' को लेकर उन पर हमला किया और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मौजूद महिलाओं से कहा, ''मिलकर हमें इस पितृसत्ता को खत्म करना है। पितृसत्ता को ध्वस्त कर दीजिए।''इस बीच, दिल्ली में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनावों में एनएसयूआई के पूरी तरह साफ हो जाने से राहुल गांधी नाराज हैं। उन्होंने एनएसयूआई की करारी हार पर एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है, क्योंकि वे इस बात से काफी परेशान हैं कि कांग्रेस का छात्र संगठन प्रतिष्ठित दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में जैन ज़ी के साथ जुड़ नहीं पाया।

भारत की पर्यटन क्रांति ने ''एआई युग'' में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

युवा भारतीय खास तौर पर अनुभवों पर खर्च करने को तैयार हैं, जबकि परिवार छुट्टियों के साथ शिक्षा, संस्कृति और स्वास्थ्य एवं कल्याण को भी जोड़ रहे हैं।

विदेश यात्रा भी महत्वपूर्ण बनी हुई है। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार, 2025 में भारतीय नागरिकों ने विदेश जाने के लिए 3.283 करोड़ यात्राएं कीं। लेकिन घरेलू पर्यटन के तेजी से विस्तार का मतलब है कि भारतीय अब अपने ही देश को छुट्टियां बिताने के एक प्रमुख स्थान के रूप में तेजी से खोज रहे हैं।

कनेक्टिविटी इसे संभव बना रही है। नए हवाई अड्डे, राजमार्ग और एक्सप्रेसवे, बेहतर रेल सेवाएं और क्षेत्रीय हवाई संपर्क छोटे शहरों और पहले दूर माने जाने वाले पर्यटन स्थलों को भी पर्यटन नेटवर्क से जोड़ रहे हैं। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन बुकिंग और ऐप आधारित परिवहन ने भी यात्रा की मुश्किलों और झंझटों को काफी कम कर दिया है।

इसका परिणाम पर्यटन के भौगोलिक विस्तार के रूप में सामने आ रहा है। जो स्थान पहले छोटी छुट्टी के लिए बहुत दूर माने जाते थे, वे अब वीकएंड या तीन दिन की यात्रा के गंतव्य बन सकते हैं। छोटे शहर, हिल स्टेशन, तीर्थस्थल, वन्यजीव क्षेत्र, हैरिटेज शहर और तटीय पर्यटन स्थल नए मार्केट हासिल कर रहे हैं।

इससे अर्थव्यवस्था के लिए असामान्य रूप से व्यापक अवसर पैदा हो रहा है। पर्यटन से केवल एयरलाइंस और होटल ही लाभान्वित नहीं होते। इससे रेस्तरां, टैक्सी, खुदरा विक्रेता, गाइड, हस्तशिल्प निर्माता, फोटोग्राफर, आयोजन कंपनियां, स्वास्थ्य एवं कल्याण सेवाएं देने वाले, किसान, सांस्कृतिक कलाकार और होमस्टे भी लाभ पाते हैं। विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) तथा छोटे शहरों के लिए पर्यटन, उपभोक्ताओं के खर्च को बड़े महानगरों से बाहर पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।

हालांकि, अगला बड़ा बदलाव कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशल इंटैलिजैंस/ एआई) से आ सकता है।

एआई पर्यटन को बड़े पैमाने पर सर्च -एंड-बुक इंडस्ट्री से बदलकर एक तेजी से पर्सनलाइज़्ड, प्रैडिक्टिव और इंटैलिजैंस सर्विस इंडस्ट्री में बदल रहा है। डब्ल्यूटीटीसी ने एआई को उन तकनीकों में शामिल किया है, जो यात्रा और पर्यटन के स्वरूप को मूल रूप से बदल सकती हैं, जिसमें व्यक्तिगत सुझाव, मांग के अनुसार कीमत तय करना, मांग का अनुमान लगाना, कामकाज की दक्षता बढ़ाना और ग्राहक सेवा जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

यात्री के लिए सबसे बड़ा बदलाव एआई ट्रैवल एजेंट के रूप में सामने आ सकता है। दर्जनों वेबसाइटों पर खोज करने के बजाय, यात्री केवल अपना बजट, पसंदीदा तारीखें, रुचियां, यात्रा की गति, खाने-पीने से जुड़ी जरूरतें और साथ यात्रा करने वाले लोगों के बारे में जानकारी देगा और उसे परिवहन, ठहरने, घूमने की जगहों, रेस्तरां और गतिविधियों को शामिल करते हुए अपनी जरूरत के अनुसार यात्रा योजना (कस्टमाइज़्ड आईटिनररी) मिल सकती है।

एआई इस आइटिनररी को बदलती परिस्थितियों के अनुसार तुरंत अपडेट भी कर सकता है। अगर कोई फ्लाइट लेट हो जाती है, बारिश के कारण घूमने की योजना प्रभावित होती है या किसी पर्यटन स्थल पर बहुत अधिक भीड़ हो जाती है, तो एआई सिस्टम रियल टाइम में दिन की योजना को रीऑर्गनाइज़ कर सकता है। परिवारों, बुजुर्ग यात्रियों या विशेष शारीरिक और खान-पान संबंधी जरूरतों वाले लोगों के लिए ऐसी व्यक्तिगत सुविधा यात्रा के अनुभव को काफी बेहतर बना सकती है।

एआई पर्यटन स्थलों की खोज को भी अधिक लोगों तक पहुंचा सकता है। कम प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों को सही यात्रियों से मिलाकर, इंटैलिजैंट रिकमैंडेशन सिस्टम कुछ जाने-माने सर्किट में पर्यटकों की भीड़ कम करने और डिमांड को छोटे जगहों तक फैलाने में मदद कर सकते हैं।

पर्यटन कारोबार पर भी इसका बहुत बड़ा असर पड़ सकता है। होटल एआई का इस्तेमाल करके डिमांड का अंदाज़ा लगा सकते हैं और कमरों की कीमत सही कर सकते हैं। एयरलाइंस अपनी समय-सारणी और ग्राहक सेवा में सुधार कर सकती हैं। पर्यटन बोर्ड यात्रा के नए रुझानों की पहचान कर सकते हैं। रेस्तरां मांग का अनुमान लगाकर खाने की बर्बादी कम कर सकते हैं। छोटे होटल, गाइड और टूर ऑपरेटर, बड़ी टीम रखे बिना, कई भाषाओं में प्रचार सामग्री और ग्राहकों से संवाद तैयार कर सकते हैं।

डब्ल्यूटीटीसी और ट्रिप डॉट कॉम ने भी एआई एजेंटों को उन तकनीकों में शामिल किया है, जो यात्रा की खोज और बुकिंग के तरीके को बदल सकती हैं। साथ ही, उनकी व्यापक तकनीकी रिसर्च एक तेजी से बदलते इकोसिस्टम की ओर इशारा करती है, जिसमें डिजिटल तकनीक, परिवहन के नए सिस्टम और स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं।

इसका मतलब यह नहीं है कि टैक्नॉलजी यात्रा के मानवीय अनुभव की जगह ले लेगी। इसके विपरीत, एआई की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका यात्रा से जुड़ी प्रशासनिक परेशानियों और झंझटों को कम करना हो सकती है, ताकि लोगों को किसी पर्यटन स्थल का अनुभव लेने के लिए अधिक समय मिल सके।

इसलिए भारत अब एक महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रहा है। महामारी के बाद पर्यटन का पहला चरण वापसी का था। अगला चरण विस्तार, विविधता और समझदारी भरे पर्सनलाइज़ेशन का है। 2036 तक 527 अरब डॉलर की यात्रा एवं पर्यटन अर्थव्यवस्था बनने का डब्ल्यूटीटीसी का अनुमान बताता है कि यह मौका सिर्फ अधिक पर्यटकों को संभालने तक सीमित नहीं है।

भारत एक नए उपभोक्ता उद्योग का निर्माण कर रहा है, जिसमें बढ़ती आय, इंफ्रास्ट्रक्चर, मोबिलिटी, डिजिटल प्लेटफॉर्म और एआई एक साथ आ रहे हैं। इस बदलाव से केवल होटल और एयरलाइंस को ही फायदा नहीं होगा, इसमें एमएसएमई, एंटरप्रेन्योर, छोटे शहर, स्थानीय समुदाय और यात्रा से जुड़ी विशाल आर्थिक चेन में शामिल लाखों कर्मचारी भी होंगे।

इसलिए भारत की पर्यटन क्रांति अब अगले चरण में प्रवेश कर रही है: अधिक भारतीयों के यात्रा करने से लेकर भारत को और ज्यादा जानने -समझने तक, और अब तेजी से एआई हर यात्री को यह तय करने में मदद कर रहा है कि कहां जाना है, क्या करना है और यात्रा का अधिकतम लाभ कैसे उठाना है।

ट्रंप अब प्रैस को कंट्रोल करने की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में उन्होंने इस कदम की निंदा की। उन्होंने एकजुटता का दुर्लभ प्रदर्शन करते हुए अपने पूल असाइनमैंट की जगह दूसरे पत्रकारों को भेजने से इनकार कर दिया।

यह व्यवस्था कई वर्षों में इसलिए विकसित हुई थी, क्योंकि राष्ट्रपति की कवरेज पर भारी खर्च आता है और एक ही समय में सभी समाचार संस्थानों के पत्रकारों के लिए पर्याप्त जगह भी नहीं होती। वाइट हाउस का प्रेस और टेलीविजन पूल बाकी सभी के लिए कार्यक्रमों को कवर करता है। वाइट हाउस के प्रेस पूल के किसी एक सदस्य को मना करने का मतलब है कि तय किया गया पूल सदस्य इन कार्यक्रमों को कवर नहीं करेगा।

तय किए गए पूल सदस्यों की कवरेज को वाइट हाउस टेलीविजन प्रेस पूल के अन्य सदस्यों के साथ-साथ, देशभर के समाचार संगठनों और अखबारों के साथ भी शेयर किया जाता है। अगर प्रेस पूल के अन्य सदस्य भी कवरेज करने से इनकार कर दें, तो इसका मतलब होगा कि पूरे देश के लिए वाइट हाउस की कवरेज नहीं हो पाएगी।

इस प्रतिबंध को चुनौती देते हुए, तीन प्रैस पूल आउटलैट्स ने ''फर्स्ट अमैंडमैंट'' (संविधान के प्रथम संशोधन) के तहत मुकदमा दायर किया है। अमेरिका में प्रथम संशोधन से जुड़े मामलों के विशेषज्ञ वकीलों की एक बड़ी संख्या है, क्योंकि यह अमेरिकी संविधान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हालांकि, किसी समाचार संगठन द्वारा प्रथम संशोधन के तहत मुकदमा दायर करने का यह पहला मामला नहीं है।

रिपोर्टों के अनुसार, जब भी किसी पत्रकार ने प्रथम संशोधन के सिद्धांतों के तहत अदालत से राहत मांगी है, तो कई मामलों में पत्रकारों ने उस समय की सरकार के खिलाफ मुकदमा जीता है। ऐसे अनेक फैसले हैं, जिनमें पत्रकारों के उस अधिकार को सही ठहराया गया है, जिसके तहत वे अमेरिकी राष्ट्रपति और वाइट हाउस की गतिविधियों और वाइट हाउस की ब्रीफिंग की रिपोर्टिंग करते हैं, खासकर तब, जब सरकार ने इन आज़ादियों पर रोक लगाने की कोशिश की हो।

प्रतिबंधित तीनों समाचार संगठनों ने ''व्यू-पॉइंट डिस्क्रिमिनेशन'', यानी विचारों या दृष्टिकोण के आधार पर भेदभाव के खिलाफ शिकायत की है। कानून के तहत इस तरह का भेदभाव प्रतिबंधित है। इसका अर्थ है कि किसी समाचार संगठन या पत्रकार को उसके द्वारा व्यक्त किए गए विचारों के कारण हटाया या प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा है कि इन संगठनों ने सरकार या राष्ट्रपति के कामकाज के बारे में नकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया है। डॉनल्ड ट्रंप कई मौकों पर कह चुके हैं कि उन्हें अपने बारे में नकारात्मक कवरेज पसंद नहीं है।

प्रभावित न्यूज़ मीडिया ने तर्क दिया है कि लोगों को सरकार के कामकाज और राष्ट्रपति क्या कर रहे हैं, इसके बारे में जानने का अधिकार है। उनका कहना है कि सरकार को यह तय करने का अधिकार नहीं है कि प्रेस सरकार के कामकाज के बारे में कैसे लिखे तथा सरकार यह तय नहीं कर सकती कि प्रैस को क्या लिखना चाहिए।

'पुलिस केकडी वॉर्ड सदस्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऑफिसर, अजमेर, को बोर्ड अध्यक्ष का चुनाव स्थगित करने की गुहार की है और साथ ही कांग्रेस वार्ड सदस्य, अनिल मित्तल, को अयोग्य घोषित करने की मांग भी करी है।

आर.पी. सिंह ने कहा 21 सितम्बर की रात 12 बजे पुलिस के कर्मचारी अनिल मित्तल के घर आये थे। आर. पी. सिंह का कहना था कि यह पुलिस अधिकारी संभवत: भाजपा के स्थानीय विधायक और वार्ड सदस्य की शिकायत पर कार्रवाई करने के लिए अनिल मित्तल को गिरफ्तार करने आये थे। उन्होंने अदालत को यह भी तथ्य उजागर करा कि निर्वाचन आयोग के रिर्टर्निंग ऑफिसर को कांग्रेस के वार्ड सदस्य ने 20 सितम्बर की रात को ही भाजपा विधायक द्वारा फेसबुक पोस्ट में बताये गये आरोपों के संबंध में अपना बयान व पक्ष पेश कर दिया था, परंतु उन्हे रिटर्निंग ऑफिसर की ओर से कोई भी जवाब या प्रतिक्रिया नहीं मिली।

उल्लेखनीय है कि पुलिस के जाब्ते को देख देर रात अनिल मित्तल की ओर से वकील को तलब किया गया, जिन्होंने रात्रि 3 बजे अदालत के समक्ष याचिका दायर की और महाधिवक्ता को भी इस संदर्भ में सूचित किया गया।

याचिका में कहा गया कि यह शिकायत केवल याचिकाकर्ता को अध्यक्ष पद का चुनाव लडने से रोकने के लिए की गई है। इसके अलावा उसके घर के बाहर पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, ताकि उसे चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने से रोका जा सके। जिसका विरोध करते हुए महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि याचिका केवल आशंका के आधार पर दायर की गई है। उन्हें याचिकाकर्ता के खिलाफ निर्वाचन अधिकारी को दी शिकायत या एफआईआर दर्ज होने की जानकारी नहीं है। याचिकाकर्ता ने इस संबंध में पर्याप्त रिकॉर्ड पेश नहीं किया है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता की गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए रिटर्निंग अधिकारी को लंबित शिकायत पर कार्रवाई की छूट दी है।

ओवैसी ने सपा और कांग्रेस को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सपा के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगा सकती है, जहां मुस्लिम वोट निर्णायक होता है। कांग्रेस के सामने भी ऐसी ही दुविधा है। उत्तर प्रदेश में प्रासंगिक बने रहने के लिए उसे मुस्लिम मतों के एकजुट होने की जरूरत है, लेकिन एआईएमआईएम के साथ गठबंधन करना, उसकी धर्मनिरपेक्ष ताकत वाली छवि के अनुरुप नहीं है, जिस रूप में वह स्वयं को प्रस्तुत करती रही है। साथ ही, 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा के साथ मिली बढ़ त के बाद कांग्रेस ने स्वतंत्र रूप से अपना आधार फिर से मजबूत करने की कोशिश की है।

ओवैसी को साथ लेने से, लगभग निश्चित रूप से भाजपा के लंबे समय से चले आ रहे इस नैरेटिव को मजबूती मिलना लगभग सुनिश्चित है कि विपक्ष मूल रूप से एक मुस्लिम गठबंधन है। सत्तारूढ पार्टी बार-बार एआईएमआईएम को एक ध्रुवीकरण करने वाली ताकत के रूप में पेश करती रही है, जिसकी मौजूदगी से हिंदू मतों के एकजुट होने में मदद मिलती है। ओवैसी को औपचारिक रूप से विपक्षी गठबंधन में शामिल करने से भाजपा को जवाबी ध्रुवीकरण के लिए तैयार मुद्दा मिल जाएगा, जिससे अल्पसंख्यकों के बीच भाजपा विरोधी वोटों की एकजुटता से मिलने वाला संभावित लाभ प्रभावित हो सकता है। कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने कहा है कि ओवैसी भले ही ''4-5 सीटें जीतें, लेकिन अंत में वे भाजपा की सरकार बनने में ही मदद करते हैं।'' इससे पहले उन्होंने कहा था कि सांप्रदायिकता से लड़ने का मतलब दोनों तरह की सांप्रदायिकता का विरोध करना है और चेतावनी दी थी कि साम्प्रदायिकता के एक रूप के खिलाफ हमला करते हुए, उसके दूसरे रूप के साथ चुनिंदा तरीके से गठबंधन नहीं किया जा सकता।

एआईएमआईएम को साथ लेने का फैसला मुस्लिम वोटों को एकजुट करने के बजाय उन्हें विभाजित कर सकता है। बहुत से मुस्लिम मतदाता पहले से ही सपा को भाजपा के खिलाफ मुख्य राजनीतिक विकल्प मानते हैं। एआईएमआईएम के साथ गठबंधन करने से वे मतदाता दूर हो सकते हैं, जो ओवैसी को बांटने वाली राजनीति करने वाला मानते हैं। इसके विपरीत, एआईएमआईएम को बाहर रखने से पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में वही बहुकोणीय मुकाबले पैदा होने का जोखिम है, जिनका ऐतिहासिक रूप से भाजपा को लाभ मिलता रहा है।

एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद आसिम वकार का हाल ही में कांग्रेस में शामिल होना इन तनावों को रेखांकित करता है। वकार ने अपनी पुरानी पार्टी पर आरोप लगाया है कि वह भाजपा को हराने की सिर्फ बातें करती है, जबकि, असलियत में जमीन पर कांग्रेस और सपा से लड़ती है और एक तरह से सत्ताधारी पार्टी की ''बी-टीम'' की तरह काम करती है। ओवैसी के ताजा संपर्क प्रयासों से कुछ दिन पहले उनका पार्टी छोड़ना, एआईएमआईएम के भीतर के तनाव को दर्शाता है और कांग्रेस को यह कहने का आधार देता है कि वास्तविक भाजपा विरोधी राजनीति के लिए ओवैसी के संगठन से दूरी बनाना जरूरी है, न कि उसे साथ लेना।

भाजपा विधायकों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसे गाना बंद कर दिया था। सोनिया गांधी को खुश करने के लिए, मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाली कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने इसे कैबिनेट में पेश किया और कहा कि हम केवल दो पैराग्राफ गाएंगे, पूरा गीत नहीं।

गुजरात से सैकड़ों टन ''हिल्सा'' मछली निर्यात होती है बांग्लादेश को

बंगाली परिवारों के लिये ''हिल्सा'' का धार्मिक व सांस्कृतिक परंपराओं में विशेष स्थान है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। हिल्सा मछली का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक बांग्लादेश अब गुजरात से सैकड़ों टन ''हिल्सा'' मछली आयात कर रहा है।

बांग्लादेश की पद्मा नदी की हिल्सा मछली ''पद्मार इलिश'' को सभी हिल्सा मछलियों की रानी माना जाता है। लेकिन इसे हासिल करना लगभग असंभव होता है। पश्चिम बंगाल के हावड़ा निवासी पल्लब करार कहते हैं, ''जब भी यह कोलकाता के बाजारों में पहुंचती है, तो अपने आप में एक बड़ी घटना होती है।''

63 वर्षीय कारोबारी करार बताते हैं कि मछली विक्रेता बांग्लादेश की हिल्सा को कितना अधिक सम्मान देते हैं। वे कहते हैं, ''वे इसे बड़ी सावधानी से हरे प्लास्टिक के थैले में लपेटते हैं और बाकी सभी मछलियों से अलग रखते हैं। इनकी कीमत 3,000 रुपये किलो तक होती है।''

''टेनुअलोसा इलिशा'', जिसे आम तौर पर हिल्सा या इलिश के नाम से जाना जाता है, बंगाली परिवारों की खाने की मेज का गौरव मानी जाती है और धार्मिक समारोहों तथा सांस्कृतिक परंपराओं में भी इसका महत्वपूर्ण स्थान है। बंगालियों का हिल्सा के प्रति लगाव और इसका सांस्कृतिक महत्व इस मछली को लगभग पौराणिक दर्जा (मिथिकल स्टेटस) दे चुका है।

- यह ऐसी मछली है जो खारे समुद्र में रहती है लेकिन अंडे देने मीठे पानी वाली नदियों के मुहाने तक आती है।

यह ऐसी मछली है जो खारे समुद्र में रहती है, लेकिन अंडे देने के लिए मीठे पानी वाली नदियों के मुहानों तक तैरकर आती है। जिस तरह फसल में उस मिट्टी का स्वाद और सुगन्ध होती है, जिसमें वह उगती है, उसी तरह हिल्सा का स्वाद भी उस पानी के अनुसार अलग एवं विशिष्ट अलग होता है, जहां से उसे पकड़ा गया हो। इसका मांस बहुत नाजुक, स्वादिष्ट एवं उत्कृष्ट होता है और इसकी खुशबू उंगलियों पर लंबे समय तक बनी रहती है।

पद्मा नदी गंगा की एक शाखा है और बांग्लादेश में मेघना नदी से मिलकर बंगाल की खाड़ी में जा गिरती है।

हालांकि हिल्सा देशभर में, पश्चिम बंगाल से लेकर ओडिशा, आंध्र प्रदेश और गुजरात तक पाई जाती है, लेकिन भारत में लाखों लोग, खासकर बंगाली, पद्मा नदी की हिल्सा के लिए तरसते हैं। ऐतिहासिक रूप से हिल्सा का सबसे बड़ा उत्पादक बांग्लादेश भारत को इसका निर्यात करता रहा है।

हालांकि, अब एक दिलचस्प स्थिति सामने आई है। जहाँ बांग्लादेश भारत को सीमित मात्रा में हिल्सा निर्यात कर रहा है, खासकर दुर्गा पूजा के समय, वहीं वह भारत से, विशेष रूप से गुजरात से, सैकड़ों टन हिल्सा आयात भी कर रहा है। जहां पद्मा और मेघना की हिल्सा भारत में ऊंची कीमतों पर खरीदी जा रही है, वहीं गुजरात, खासकर भरूच, की हिल्सा ढाका, सिलहट और चटगांव की थालियों तक पहुंच रही है।

बांग्लादेश ने पिछले दो महीनों में भारत से लगभग 500 टन हिल्सा आयात की है और अगले दो सप्ताह में 150 से 200 टन और मंगाने की प्रक्रिया में है।

तो इस विरोधाभास की वजह क्या है? भारतीय लोग बांग्लादेशी हिल्सा के लिए इतनी ऊंची कीमत चुकाने को तैयार क्यों हैं, जबकि बांग्लादेशी भारतीय उपमहाद्वीप के दूसरे छोर से इसी मछली का आयात कर रहे हैं?

ढाका के ऐक्टिविस्ट और शिक्षाविद् रेजाउर रहमान लेनिन ने ''इंडिया टुडे डिजिटल'' से कहा, ''बांग्लादेश गुजरात से हिल्सा का आयात अपनी खास पद्मा और मेघना की हिल्सा के विकल्प के तौर पर खाने के लिए नहीं करता, बल्कि स्थानीय आपूर्ति की कमी को पूरा करने और औद्योगिक प्रसंस्करण (इण्डस्ट्रियल प्रोसेसिंग) के लिए आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए करता है।''

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंभ्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908